# नंदिनी के नवाचार

(प्राथमिक शाला के बच्चों को आनंददायी शिक्षा देने के नचाचार)


## नंदिनी राजपूत


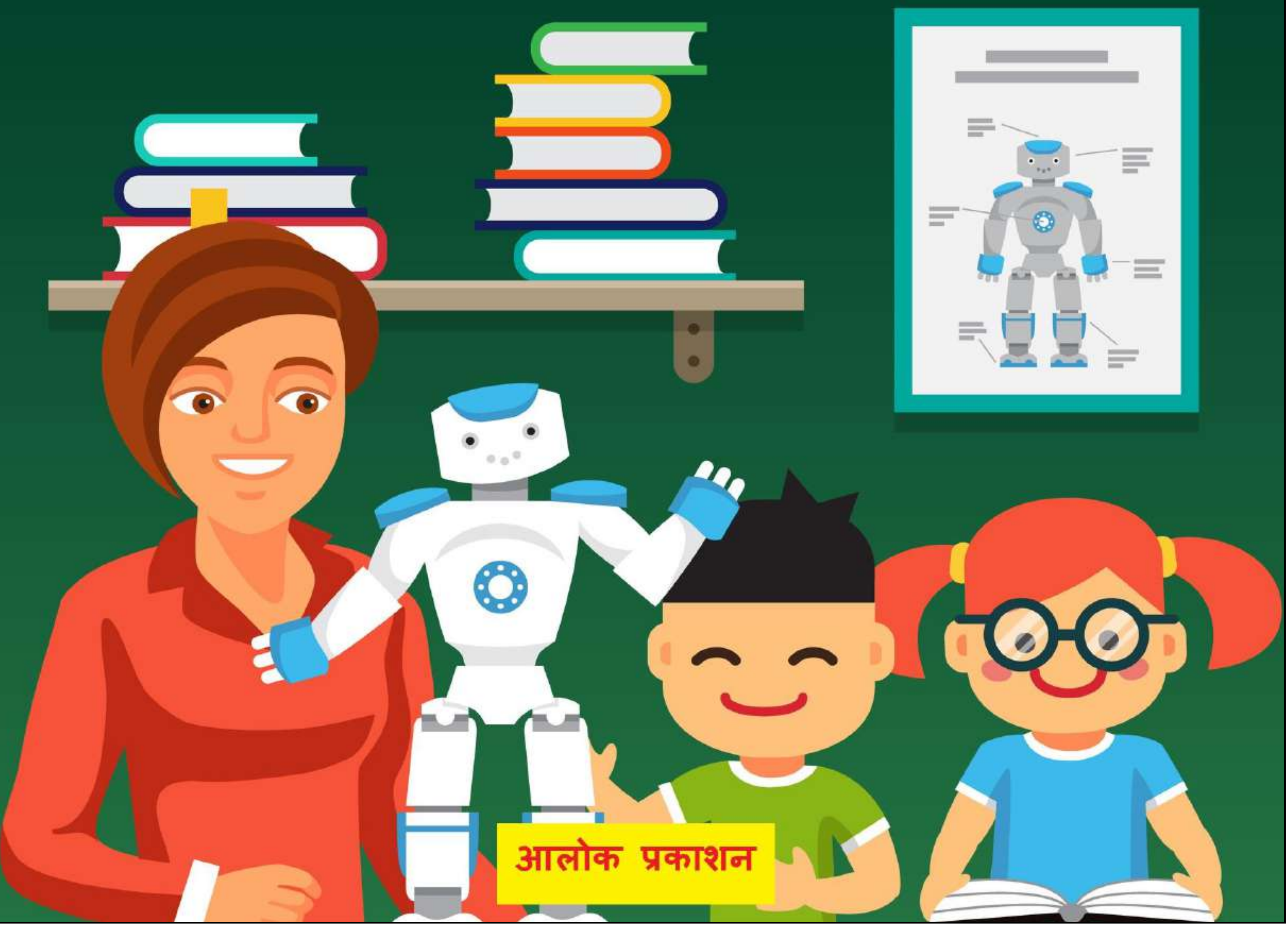


आलोक प्रकाशन

# नंदिनी के नवाचार

(प्राथमिक शाला के बच्चों को आनंददायी शिक्षा देने के नचाचार)

## नंदिनी राजपूत

C **नंदिनी राजपूत 2019**

**आलोक प्रकाशन**

अनुक्रमणिका


**भूमिका** ........ 4

**बागवानी** ........ 5

**कबाड़ से जुगाड़** ........ 6

**कहानी का निर्माण** ........ 7

**कागज़ का स्टार** ........ 8

**कागज़ की डंडी** ........ 9

**रंग-बिरंगी गिनती दौड़** ........ 10

**बिल्लस का खेल** ........ 11

**दरवाजे से कोण की समझ** ........ 12

**A से z तक की वर्णमाला** ........ 13

**जोड़-घटाव-गुणा की समझ विकसित करना** ........ 14

**रॉकेट पहाड़ा** ........ 15

**कबाड़ से जुगाड़** ........ 16

**शिक्षक सम्मान** ........ 18

**ऑनलाइन किलोल पत्रिका में रचनाओं का प्रकाशन** ........ 19

**शिक्षा मड़ई कोरबा** ........ 20

**समाचार पत्र** ........ 22

**संस्कृतिक कार्यक्रम** ........ 23

**टाई बेल्ट का वितरण** ........ 25

**प्रशिक्षण** ........ 26

**गणित किट** ........ 27

**खेलकूद** ........ 28

**स्वर और उनकी मात्रएं** ........ 29

**पॉकेट बोर्ड** ........ 30

# भूमिका

मैं वर्ष 2010 से शिक्षक के पद पर हूं. पहले जब मैं बच्चों को पढ़ाती थी तो मुझे निराशा मिलती थी कि मै जो दे रही वो बच्चे ले भी रहे की नहीं. परंतु पिछले 2 सालो से मैंने नवाचार करने की सोची और इसका रिजल्ट भी अच्छा आया. जब मैंने वॉल पैंटिंग किया तो बच्चे शाला की ओर आकर्षित हुए. साथ ही कबाड़ से जुगाड करके बच्चों को अच्छी शिक्षा दे पाई. कुछ कर गुजरने की दिशा मे मैंने नवाचार को अपनाया. साथ ही बच्चों को 2 सालों से टाई, बेल्ट, स्टेशनरी सामान आदि भी उपलब्ध कराया ताकि उन पर किसी प्रकार का बोझ न पड़े. अपने इस कार्य में अब समाज को भी जोड़ने की पहल करना है और अपनी शाला के लिय कुछ करके दिखाना है. राष्ट्र के प्रति जो मेरा कर्तव्य है उसे मैं इन बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर चुकाना चाहती हूँ. इस पुस्तक में मेरे व्दारा किये गये कुछ नवाचारों की एक झांकी है. आशा है सुधी पाठकों को पसंद आयेगी.

नंदिनी राजपूत

# बागवानी

अपने स्कूल का वातावरण आकर्षक बनाए रखने के लिय स्कूल के सभी शिक्षक, स्व-सहायता समूह और बच्चे मिलकर बागवानी करते हैं एवं किचन गार्डन लगाते हैं.

# <u>कबाड़ से जुगाड़</u>

ये पुट्ठे से बनी हुई है. इससे हम फल, फूल, पालतु और जंगली जानवरों के नाम, शरीर के अंगों के नाम, This/That का प्रयोग आदि सिखा सकते हैं. इसके पीछे की ओर इकाई-दहाई-सैकड़ा, विलोम शब्द आदि हैं जिन्हें आप बता सकते हैं.

# <u>कहानी का निर्माण</u>

दीवालो में पेंटिंग करके चित्र का निर्माण किया जाता है. इन चित्रों व्दारा कहानी दर्शाई जाती है. जैसे मधुमक्खी और कबूतर की कहानी. बंदर और मगरमच्छ की कहानी, आदि. बच्चे इससे बडी रुचि से सीखते है.

# <u>कागज़ का स्टार</u>

इससे बच्चों को vowel, pet-wild animals, parts of body, fruits, vegetables, flowers name बता सकते हैं.

# <u>कागज़ की डंडी</u>

बच्चे इसके व्दारा इकाई-दहाई-सैकड़ा को समझ सकते हैं.

# <u>रंग-बिरंगी गिनती दौड़</u>

यह बहुत ही रुचिकर खेल है. इसे पासे (जिसमे 1से 6 तक अंक लिखें होते हैं) की मदद से खेलते हैं. लाल घर का मतलब पीछे के लाल घर में चले जाना. हरे घर का मतलब आगे के हरे घर में जाना. सफेद घर का मतलब दुबारा पासा फेंकने का अवसर मिलना. इसे कक्षा १ से ५ तक के बच्चे सीख जाते हैं.

# <u>बिल्लस का खेल</u>

बच्चें इस खेल के व्दारा स्वर और उनकी मात्रा को सीख जाते हैं. इसे बिल्लस के व्दारा बच्चे खेलते हैं और बड़ी आसानी से सीखते हैं.

# <u>दरवाजे से कोण की समझ</u>

ज़मीन पर 0 अंश से 180 अंश तक का कोण बनाया है जिससे बच्चे दरवाजे को आगे, पीछे करके समकोण, न्यूनकोण, अधिक कोण को समझ सकते हैं.

## A से Z तक की वर्णमाला

बच्चे A से Z तक की वर्ण माला को पढ़ते हुए कक्षा में प्रवेश करते हैं और बड़ी आसानी से सीख जाते हैं.

# <u>जोड़-घटाव-गुणा की समझ विकसित करना</u>

यह लकड़ी से बनी हुई स्टिक है. इसमे 0 से 9 अंक बना हुआ है. इसमे जोड़-घटाव-गुणा को समझ सकते हैं.

# <u>रॉकेट पहाड़ा</u>

यह रॉकेट के आकार का बना हुआ है इसलिए इसे रॉकेट पहाड़ा कहते हैं. इसमे 2 से 10 तक के पहाड़े हैं. इसे नीचे से घुमा कर पहाड़ा बता सकते हैं.

# <u>कबाड़ से जुगाड़</u>

ये सारी चीजें कबाड़ से बनाई गई है जैसे synonym words, जोड़ घर, रेलगाड़ी पहाड़ा, टैबलेट गिनती, pot, clock& shapes, जिलों के नाम, noun की समझ इत्यादि. इन सबके प्रयोग से सरल से सरल तरीके से बच्चों को समझाया जा सकता है.

जोड़ना
(+)
3+2
10+9
=

# <u>शिक्षक सम्मान</u>

मेरे नवाचारों के कारण मुझे नोडल स्तर पर वेलविशर फाउंडेशन अकलतरा व्दारा छ.ग. गौरव एवं मुंगेली (लोरमी) व्दारा महाराणा प्रताप शिक्षक अलंकरण पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है.

# ऑनलाइन किलोल पत्रिका में रचनाओं का प्रकाशन

मेरे व्दारा लिखी गई कहानी, कविता, और नवाचार का प्रकाशन भी ऑनलाइन किलोल पत्रिका में भी होता रहता है.

# <u>शिक्षा मड़ई कोरबा</u>

2018 मे शिक्षा मड़ई मे सांस्कृतिक कार्यक्रम मे संकुल, नोडल, विकासखंड से होते हुए जिला स्तर मे सेलेक्ट हुई. खेल मे 3rd स्थान प्राप्त हुआ और स्वरचित कविता में अच्छा प्रदर्शन कर पाई.

स्वरचित कविता

मैंने बहुत सारी कविताएँ भी लिखी हैं जो शिक्षाप्रद हैं. उनमें से कुछ यहाँ पर हैं.

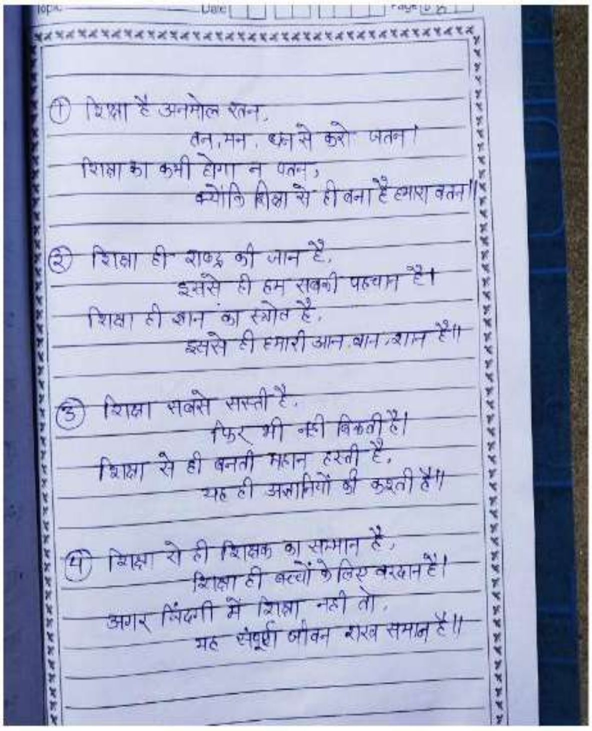

(1) शिक्षा है अनमोल रतन,
तन, मन, धन से करो जतन।
शिक्षा का कभी होगा न पतन,
क्योंकि शिक्षा से ही बना है हमारा वतन॥

(2) शिक्षा ही शब्द की जान है,
इससे ही हम सबकी पहचान है।
शिक्षा ही ज्ञान का स्रोत है,
इससे ही हमारी आन, बान, शान है॥

(3) शिक्षा सबसे सस्ती है,
फिर भी नहीं बिकती है।
शिक्षा से ही बनती महान हस्ती है,
यह ही अज्ञानियों की कश्ती है॥

(4) शिक्षा से ही शिक्षक का सम्मान है,
शिक्षा ही बच्चों के लिए वरदान है।
अगर जिंदगी में शिक्षा नहीं तो,
यह संपूर्ण जीवन राख समान है॥

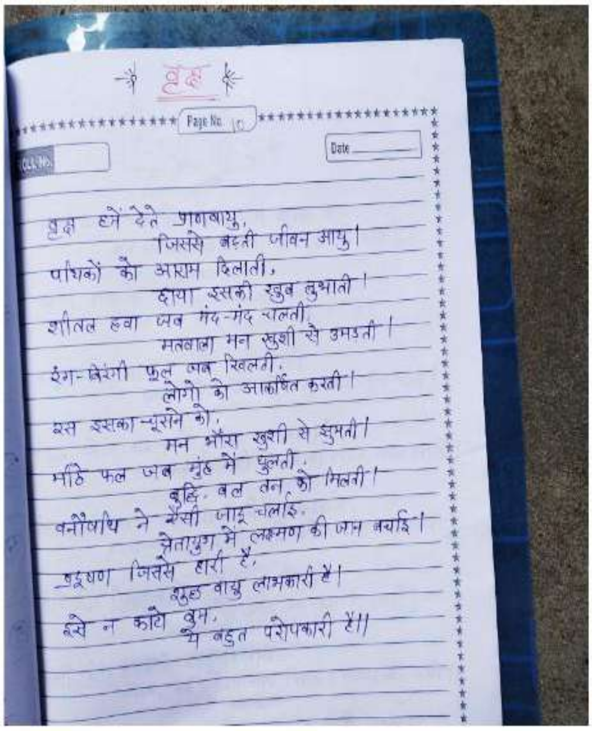

वृक्ष

वृक्ष हमें देते प्राणवायु,
जिससे बढ़ती जीवन आयु।
पथिकों को आराम दिलाती,
छाया इसकी खूब लुभाती।
शीतल हवा जब मंद-मंद चलती,
मतवाला मन खुशी से उमड़ती।
रंग-बिरंगी फूल जब खिलती,
लोगों को आकर्षित करती।
रस इसका चूसने को,
मन भौंरा खुशी से झूमती।
मीठे फल जब मुँह में घुलती,
बुद्धि, बल तन को मिलती।
वनौषधि ने कैसी जादू चलाई,
त्रेतायुग में लक्ष्मण की जान बचाई।
प्रदूषण जिससे हारी है,
शुद्ध वायु लाभकारी है।
इसे न काटो तुम,
ये बहुत परोपकारी हैं॥

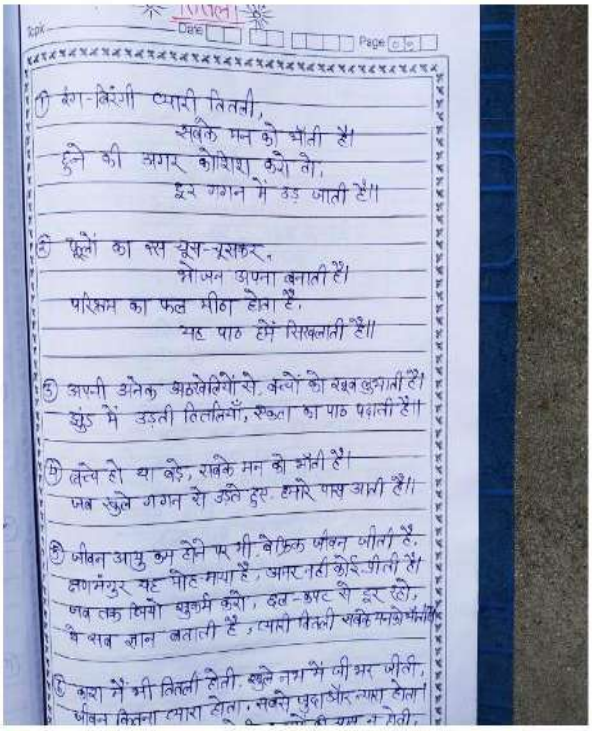

तितली

(1) रंग-बिरंगी प्यारी तितली,
सबके मन को भाती है।
छूने की अगर कोशिश करो तो,
दूर गगन में उड़ जाती है॥

(2) फूलों का रस चूस-चूसकर,
भोजन अपना बनाती है।
परिश्रम का फल मीठा होता है,
यह पाठ हमें सिखलाती है॥

(3) अपनी अनेक अठखेलियों से, बच्चों को खूब लुभाती है।
झुंड में उड़ती तितलियाँ, एकता का पाठ पढ़ाती है।

(4) छोटे हो या बड़े, सबके मन को भाती है।
जब खुले गगन से उड़ते हुए, हमारे पास आती है॥

(5) जीवन आयु कम होने पर भी बेफिक्र जीवन जीती है,
क्षणभंगुर यह मोह-माया है, अगर नहीं कोई प्रीती है।
जब तक जियो सुकर्म करो, छल-कपट से दूर रहो,
ये सब ज्ञान बताती है, प्यारी तितली सबके मन को भाती है।

(6) काश मैं भी तितली होती, खुले नभ में जी भर जीती,
जीवन कितना प्यारा होता, सबसे जुदा और न्यारा होता।

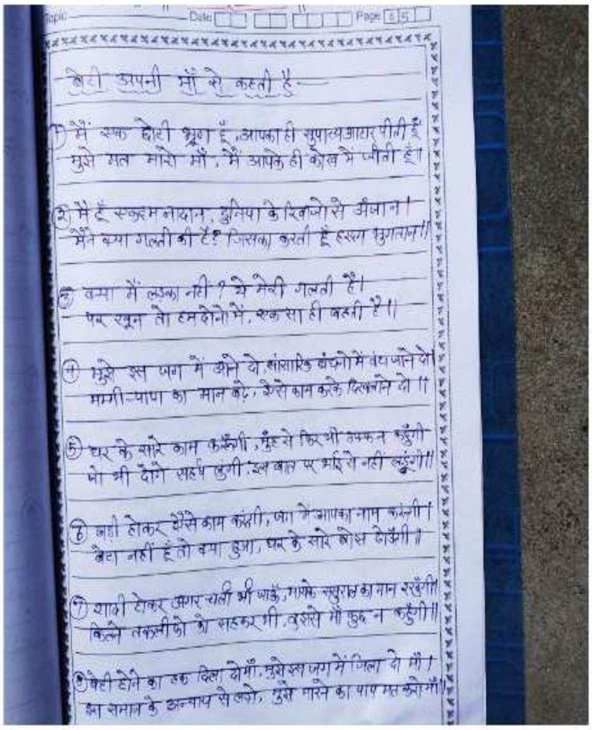

बेटी अपनी माँ से कहती है—

(1) मैं एक छोटी भ्रूण हूँ, आपका ही सुपात्र आधार पीती हूँ,
मुझे मत मारो माँ, मैं आपके ही कोख में जीती हूँ।

(2) मैं हूँ एकदम नादान, दुनिया के रिवाजों से अंजान।
मैंने क्या गलती की है? जिसका करती हूँ हरजा भुगतान॥

(3) क्या मैं लड़का नहीं? ये मेरी गलती है।
पर खून तो हम दोनों में, एक सा ही बहती है॥

(4) मुझे इस जग में आने दो, सांसारिक बंधनों में बंध जाने दो।
मम्मी-पापा का मान बढ़े, ऐसे काम करके दिखलाने दो॥

(5) घर के सारे काम करूँगी, मुँह से फिर भी उफ न कहूँगी।
जो भी दोगे सहर्ष लूँगी, इस बात पर झगड़े नहीं करूँगी॥

(6) बड़ी होकर ऐसे काम करूँगी, जग में आपका नाम करूँगी।
बेटा नहीं हूँ तो क्या हुआ, घर के सारे बोझ ढोऊँगी॥

(7) शादी होकर अगर चली भी जाऊँ, मायके ससुराल का मान रखूँगी।
कितने तकलीफों को सहकर भी, उनसे मैं कुछ न कहूँगी॥

(8) बेटी होने का एक दिल दो माँ, मुझे इस जग में जिला दो माँ।
इस समाज के अन्याय से लड़ो, मुझे मारने का पाप मत करो माँ॥

# <u>समाचार पत्र</u>

मेरे नवाचारी कार्यो को दैनिक भास्कर, नवभारत, नई दुनिया मे भी स्थान मिला है.

नवाचारी शिक्षकों को छत्तीसगढ़ गौरव अवार्ड

र्श और दीवारों को ब्लैक बोर्ड बनाकर रंग
बेरंगे तरीकों से बच्चों को पढ़ने कर रहीं प्रेरि

नानपुलाली स्कूल में बच्चों की संख्या बढ़ाने के साथ स्वच्छता का दिया जाता है

जिला स्तरीय शिक्षा मड़ई में सम्मानित हो चुकी हैं नंदनी

ा के क्षेत्र में किया नवाचार का
ग, सम्मानित हुए गौरव अवार्ड से

नवाचारी उत्कृष्ट शि
को मिला छग गौरव

# <u>संस्कृतिक कार्यक्रम</u>

हमारी प्राथमिक शाला नानपुलाली में ललित कला और सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत चित्रकला, रंगोली, मिट्टी के खिलौने बच्चों व्दारा बनवाये जाते हैं और प्रथम, व्दितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया जाता है. इसके अतिरिक्त हमारी शाला में महापुरुषों की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाई जाती है, जिसमें सभी बच्चे, पालकगण, शाला प्रबंधन समिति के सदस्य सहभागिता देते हैं.

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA
सत्य मेव जयते

<u>**टाई बेल्ट का वितरण**</u>

बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने और निशुल्क शिक्षा देने की दिशा में मैंने प्रयास किया इसलिए विगत 2 सालों से 108 बच्चों को टाई-बेल्ट, कापी, पेन, रबर पेंसिल आदि वितरित कर रही हूँ.

# <u>प्रशिक्षण</u>

Online chalklit app से मैंने गणित और अंग्रेज़ी विषय का प्रशिक्षण लिया और certificate भी प्राप्त किया.

# <u>गणित किट</u>

ये countable है जिसे श्यामपट मे चिपकाकर आरोही-अवरोही क्रम, जोड़-घटाव, गुणा-भाग को समझ सकते हैं. इसे बच्चे स्वयं करके सीखते हैं.

# <u>खेलकूद</u>

हमारी प्राथमिक शाला नानपुलाली में विभिन्न प्रकार के खेल कराये जाते हैं, जैसे, खो-खो, कबड्डी, फुटबॉल, रस्सी कूद, फुगडी़, कुर्सी दौड़, आदि.

# <u>स्वर और उनकी मात्रएं</u>

ये थर्माकोल व बाटल के ढक्कन से बनी हुई है. स्वर के बगल में मात्राओं वाला ढक्कन है. बच्चे स्वर के सामने सही मात्रा वाली ढक्कन लगाएंगे.

# <u>पॉकेट बोर्ड</u>

यह पुट्ठे में चार्ट को चिपकाकर बनाया जाता है. स्वर, गिनती, A से z वर्णमाला आदि को क्रमवार रख सकते हैं.

## **श्रीमती नंदिनी राजपूत**

सहायक शिक्षक पंचायत, प्राथमिक शाला नानपुलाली, विकासखंड पाली, जिला कोरबा, छत्तीसगढ़